पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है / दौरे पर है/दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली 1/7/24 को पेश हो।

1/7/24	पत्रावली पेश हुई। वादी को सूचित करने हेतु तहरीर जारी होकर पत्रावली 25/7/24 को पेश हो। [signature]
25/7/24	पत्रावली पेश हुई। वादी को सूचित करने हेतु तहरीर जारी की गई। पत्रावली दिनांक 8/8/24 को पेश हो। [signature]
8/8/24	3/9/24
3-9-24	पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है / दौरे पर है/दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली 7-10-24 को पेश हो।
7/10/24	पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है / दौरे पर है/दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली 27/11/24 को पेश हो।
27/11/24	पत्रावली पेश हुई। वादी अनुपस्थित। पुनः तहरीर जारी की गयी। पत्रावली दिनांक 20/12/24 को पेश हो। [signature]

15/31/7

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	हुक्म की ... में जारी
	20-12-24 पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है दौरे पर है दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली दिनांक 23-1-25 को पेश हो।	
	23-1-25 पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है दौरे पर है दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली दिनांक 11-3-25 को पेश हो।	
	11/3/25 पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है दौरे पर है दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली दिनांक 17/4/25 को पेश हो।	
	17/4/25 पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है दौरे पर है दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली दिनांक 6/5/25 को पेश हो।	
	6/5/25 पत्रावली पेश हुई। वादी अनुपस्थित। पूर्व में भी न्यायालय द्वारा वादी को सूचित करने के बावजूद भी वादी उपस्थित नहीं है। इससे प्रतीत होता है कि वादी अब इस प्रकरण के प्रति रुचि नहीं ले रहे हैं। उनके द्वारा केवल न्यायालय समय जाया किया जा रहा है। न्यायालय समय से वादी को रुककर-2 तीन बार आवाजें लगाई गई फिर भी वादी उपस्थित नहीं है। अतः वादी का वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।	